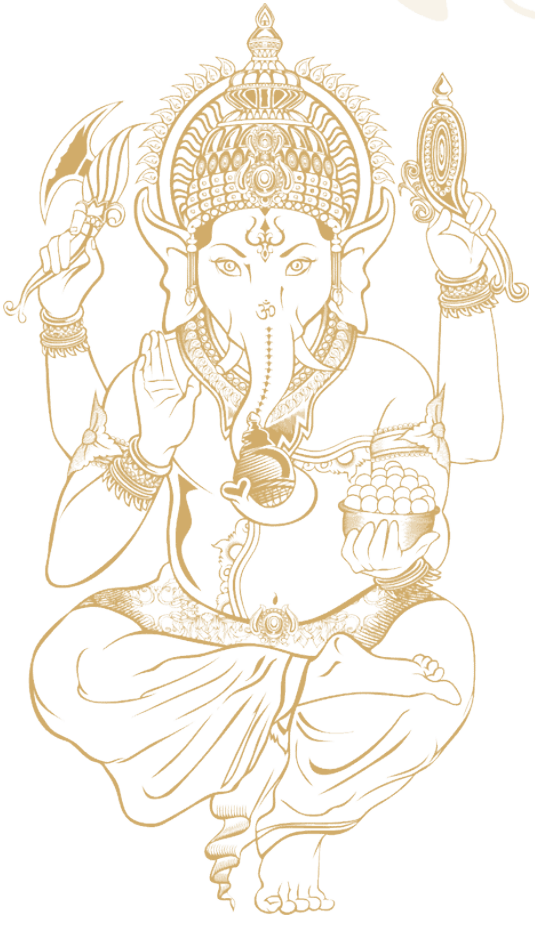

Ayush Chandrakar

Charu Chandrakar

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121582402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/06/1997	जन्म तिथि	15-16/06/2001
रविवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 15:45:00	जन्म समय	04:35:00 घंटे
घटी 25:56:17	जन्म समय(घटी)	58:04:22 घटी
India	देश	India
Raipur	स्थान	Raipur
21:16:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
81:42:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:03:12	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:22:29	सूर्योदय	05:21:15
18:47:36	सूर्यास्त	18:46:06
23:49:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:21

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 11मा 27दि	27:24:01	तुला	लग्न	वृष	19:00:38	बुध 10वर्ष 9मा 7दि
राहु	07:12:31	मिथु	सूर्य	मिथु	01:00:46	शुक्र
20/06/2019	28:54:23	धनु	चंद्र	मीन	21:33:06	25/03/2019
19/06/2037	07:32:07	कन्या	मंगल व	वृश्चि	28:10:07	25/03/2039
राहु 02/03/2022	03:02:44	मिथु	बुध व	मिथु	01:55:22	शुक्र 24/07/2022
गुरु 26/07/2024	27:52:29	मक व	गुरु	वृष	29:58:21	सूर्य 24/07/2023
शनि 02/06/2027	28:27:15	मिथु	शुक्र	मेष	15:26:12	चन्द्र 24/03/2025
बुध 19/12/2029	25:11:22	मीन	शनि	वृष	13:14:12	मंगल 24/05/2026
केतु 06/01/2031	29:32:08	सिंह व	राहु व	मिथु	12:32:53	राहु 24/05/2029
शुक्र 06/01/2034	29:32:08	कुंभ व	केतु व	धनु	12:32:53	गुरु 23/01/2032
सूर्य 01/12/2034	14:13:50	मक व	हर्ष व	कुंभ	00:50:45	शनि 25/03/2035
चन्द्र 01/06/2036	05:29:17	मक व	नेप व	मक	14:34:20	बुध 23/01/2038
मंगल 19/06/2037	09:40:43	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	19:44:33	केतु 25/03/2039

लग्न-चलित

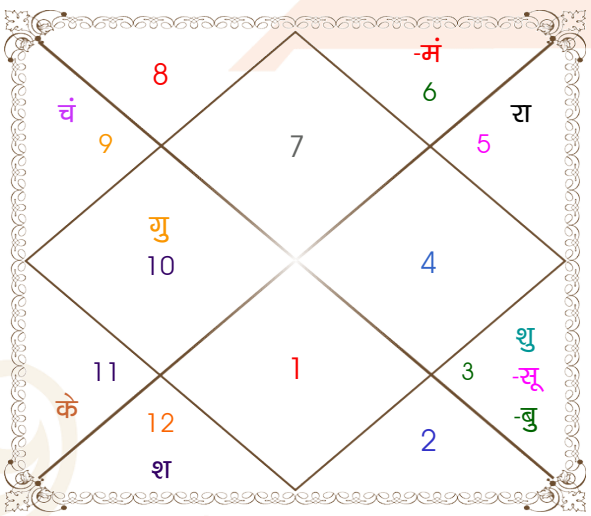

लग्न-चलित

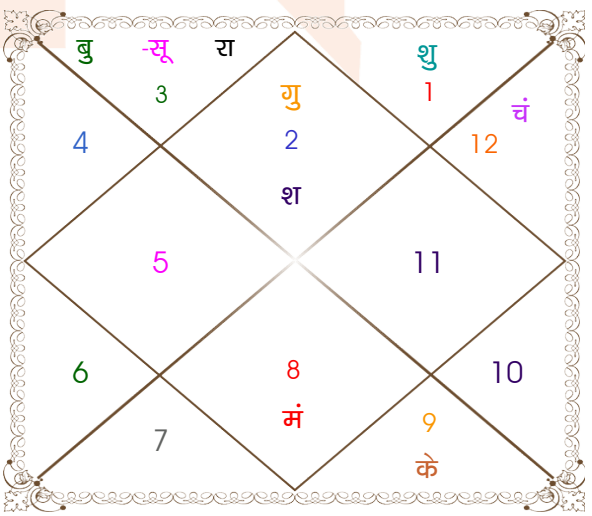

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि बैंतन बैंदकतांत का नक्षत्र रेवती है।

lनेी बैंदकतांत का वर्ग मूषक है तथा बैंतन बैंदकतांत का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार lनेी बैंदकतांत और बैंतन बैंदकतांत का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

lनेी बैंदकतांत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल lनेी बैंदकतांत कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

बैंतन बैंदकतांत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल बैंतन बैंदकतांत कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि बैंतन बैंदकतांत कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।लनी बैंदकतांत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।लनी बैंदकतांत तथा बैंतन बैंदकतांत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।